Rashtriya Sahara November 11, 2016

आनलाइन ट्रांजेक्शन में होगा 90 गुना इजाफा

■ नई दिल्ली।

देश में आनलाइन ट्रांजेक्शन की संख्या वर्ष 2022 तक 90 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ते हुए 153 अरब पर पहुंच जाएगी। उद्योग संगठन एसोचैम ने आरएनसीओएस के साथ मिलकर किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि इस दौरान ट्रांजेक्शनों में कीमत के आधार पर भी बढ़ोतरी होगी। इसमें हर साल 150 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी तथा मौजूदा 80 खरब रुपए से बढ़कर वर्ष 2022 तक यह 20 हजार खरब रुपए पर पहुंच जाएगा।

कीमत के आधार पर इसमें होगी डेढ़ सौ फीसद की वृद्धि

मौजूदा समय में 80 खरब रुपए है आनलाइन ट्रांजेक्शन

वर्ष 2022 तक यह 20 हजार खरब रुपए पर पहुंचेगा

डिजिटल पेमेंट में आधा हिस्सा मोबाइल ट्रांजेक्शन का

एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा डिजिटल भुगतान तंत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकती है जिससे आने वाले कुछ वर्षो में पारंपरिक कार्डो तथा नकदी प्राथमिक भुगतान माध्यम नहीं रह जाएंगे। इसके लिए लेकिन डिजिटल भुगतान प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पांच सौ रुपए तथा एक हजार रुपए के पुराने नोटों को प्रतिबंधित करने के सरकार के फैसले से डिजिटलीकरण इस प्रक्रिया की गति बढ़ेगी। इंटरनेट तथा स्मार्टफोन की बढ़ती उपलब्धता भी इसमें एक बड़ा कारक होगी। मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या एक अरब से ज्यादा होने के कारण भारत में मोबइल पर इंटरनेट के विस्तार में काफी संभावनाएं हैं। मोबइल के जरिये कारोबार तथा भुगतान के बारे में भी यही बात सही है।

पिछले वित्त वर्ष में देश में हुए कुल डिजिटल भुगतान में सबसे ज्यादा 49 प्रतिशत हिस्सेदारी मोबाइल बैंकिंग की रही। मोबाइल बैंकिंग के जरिये 38.6 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए जिनकी कुल कीमत 4000 अरब रुपए थी। ■ वार्ता

Dainik Bhaskar November 11, 2016

पांच साल में 50 गुना बढ़ेगा मोबाइल ट्रांजेक्शन : एसोचैम

नई दिल्ली | देश में मोबाइल भुगतानों की संख्या पिछले वित्त वर्ष के तीन अरब से बढ़कर वर्ष 2022 तक 90 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ते हुए 153 अरब पर पहुंच जाएगी। उद्योग संगठन एसोचैम ने एक अध्ययन में कहा है कि इस दौरान मोबाइल ट्रांजेक्शनों में कीमत के आधार पर भी बढ़ोतरी होगी। इसमें हर साल 150% की बढ़ोतरी होगी तथा मौजूदा 80 खरब रुपए से वढ़कर वर्ष 2022 तक यह 20 हजार खरब रु. पर पहुंच जाएगा। एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा कि डिजिटल भुगतान तंत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकती है जिससे आने वाले कुछ वर्षों में पारंपरिक कार्डों तथा नकदी प्राथमिक भुगतान माध्यम नहीं रह जाएंगे। इसके लिए लेकिन डिजिटल भुगतान प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित बनाना जरूरी है।